28 / 01 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

ब्राह्मणों के धर्म और कर्म द्वारा

सच्चे ब्राह्मण का अनुभव

➢➢ सर्व शक्तिवान, विश्व परिवर्तक विश्व कल्याणकारी बाबा द्वारा श्रेष्ठ धर्म और श्रेष्ठ कर्म की परिभाषा

➳ _ ➳ मै आत्मा ब्रह्मा मुखवंशावली श्रेष्ठ ब्राह्मण हूँ

→ मै ब्राह्मण आत्मा श्रेष्ठ और अमूल्य जीवन वाली आत्मा हूँ

■ मुझ ब्राह्मण आत्मा का श्रेष्ठ धर्म अर्थात मुख्य धारणा हैं सम्पूर्ण पवित्रता

➳ _ ➳ सम्पूर्ण पवित्रता मुझ ब्राह्मण जीवन का श्वास हैं

→ पवित् ता मुझ ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार हैं

■ सच्चे ब्राह्मण के संकल्प व स्वप्न में भी अपवित्रता का अंश मात्र भी ना हो

➢➢ सारे कल्प के 84 जन्मों का आधार है सम्पूर्ण पवित्रता

➳ _ ➳ मै श्रेष्ठ कुल भूषण ब्राह्मण आत्मा हूँ

→ प्यूरिटी की रॉयल्टी वाली ब्राह्मण आत्मा हूँ

■ मै ब्राह्मण आत्मा गायन और पूजन योग्य आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मुझ शुद्ध ब्राह्मण आत्मा का गायन हैं प्राण जायें पर धर्म ना जायें

→ ऐसी हिम्मत और दृढ़ निश्चयबुद्धि संगम युगी ब्राह्मण आत्मा हूँ

■ मै त्यागी तपस्वी मूर्त आत्मा हूँ

➢➢ मुझ आत्मा की धारणा प्रति त्याग करना पड़े, सहन करना पड़े

➳ _ ➳ सामना करना पड़े, साहस रखना पड़े, तो खुशी खुशी से करेंगे

→ पीछे हटेंगे नहीं, गभराएंगे नहीं

■ मै सच्चा त्यागी ब्राह्मण हूँ

➳ _ ➳ स्वयं भगवान मुझ आत्मा द्वारा त्याग को त्याग न समझ भाग्यशाली अनुभव कराते हैं

→ मै सर्वस्व त्यागी सरल और सहन शील आत्मा हूँ

■ विशेष पार्टधारी आत्मा हूँ

➳ _ ➳ विश्व परिवर्तक विश्व कल्याणकारी बाप की साथी हूँ

➳ _ ➳ परमात्म स्नेह के पात्र आत्मा हूँ

➳ _ ➳ स्वमान में रहकर सम्मान देनेवाली आत्मा हूँ

➳ _ ➳ पवित्रता का बल और फल अनुभव कराने वाली आत्मा हूँ

→ भगवान ने रचे यग्य में अपना सर्वस्व स्वाहा करने वाली आत्मा हूँ

→ मै निमित्त ब्राह्मण आत्मा सारी पुरानी सृष्टि,

→ पुराने संकल्पों को, पुराने स्वभाव संस्कारों रुपी

→ सृष्टि को महायज्ञ में स्वाहा करने वाली आत्मा हूँ

→ अंतिम आहुति का स्वरूप बनती जा रही हूं हैं

- बाप में समाती जा रही हूँ
- बाप में समाते समाते मुझ आत्मा का मैपन समाप्त हो रहा हैं
- बाप समान बनने वाली आत्मा हूँ
- मुझ आत्मा की अनादि आत्मिक स्मृति ईमर्ज हो रही हैं

➢➢ बाबा बाबा के अनहद शब्द गूंज रहे हैं सारे ब्रह्मांड में

➳ _ ➳ मै ब्राह्मण आत्मा श्रेष्ठ धर्म और श्रेष्ठ कर्म से ऊंच ते ऊंच अनुभव कर रही हूँ

→ मै आत्मा अपनी संपूर्ण आहुति स्वाहा कर संपूर्ण अनुभव कर रही हूँ

- स्व परिवर्तन से विश्वपरिवर्तन के निमित्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मै आत्मा सच्चा ब्राह्मण सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ

→ सर्व श्रेष्ठ धर्म में कर्म में स्थित रहने वाली शिव वंशी ब्रह्मा मुखवंशावली शुद्ध आत्मा हूँ